गांधी जयंती भारत का स्वाभिमान दिवस है-राज्यपाल 02.10.2017

चण्डीगढ 2 अक्तूबर गांधी जयंती भारत के स्वाभिमान का दिवस है। इस दिन 1869 में महात्मा गांधी का जन्म हुआ था जो सांस्कृतिक भारत के प्रतिनिधि थे और जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक शक्ति के बल पर देश को आजाद कराया। इसलिए उनके जन्मदिवस को स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाना चाहिए। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर हरियाणा राजभवन में आयोजित समारोह में महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित करने के उपरान्त अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर महात्मा गांधी के प्रिय भजनों का गायन हुआ तथा सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी की गई। राज्यपाल ने आगे कहा कि भारत के दो रूप हैं। एक राजनीतिक भारत और दूसरा सांस्कृतिक भारत। राजनीतिक भारत बदलता रहता है जैसे कि पहले राजा-महाराजा होते थे, उसके बाद विदेशी शासन रहा और अब लोकतंत्र है। लेकिन सांस्कृतिक भारत नहीं बदलता और उसकी सांस्कृतिक शक्ति भी अक्षुण्ण है। गांधी जी ने इसी शक्ति को जाना और विदेशी शासन के विरूद्ध इसी का प्रयोग किया। इसीलिए लार्ड माउंटबेटन ने कहा था कि जो काम अकेले गांधीजी ने किया है वह देश की 50 हजार की सेना भी नहीं कर सकती थी।

राष्ट्रपिता व शास्त्री जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अनेक महापुरूषों ने गांधी जी को आदर्श मानकर उनके जैसा जीवन जीया। स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री उन्हीं में से एक थे। जब हम इन दोनों महापुरूषों का विचार करते हैं तो हमें ज्ञान होता है कि भारत कैसा होना चाहिए। गांधी जी ऐसा भारत चाहते थे जिसमें गरीब से गरीब व्यक्ति महसूस करे कि यह मेरा देश है। ऐसा तभी होगा जब उसे राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक समानता मिलेगी। गांधीजी ऐसा भारत चाहते थे जिसमें सब समुदायों में समभाव हो, अस्पृश्यता कहीं देखने को न मिले, स्वच्छता जीवन में हो और महिलाओं व पुरूषों को समान अधिकार मिलें।

उन्होंने कहा कि आज हमें गांधी जी के विचार को जीवन में अपनाने की जरूरत है। इसीलिए केन्द्र सरकार ने गत 9 अगस्त को संसद का विशेष अधिवेशन बुलाकर संकल्प लिया कि हम 2022 तक समाज से गंदगी, गरीबी, भ्रष्टाचार, हिंसा, जातीयता व सांप्रदायिकता को खत्म करेंगे। गांधी जी ने 1942 में 9 अगस्त को ही करो या मरो का नारा देकर अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने का संकल्प लिया था। उसके पांच साल बाद 1947 मंे अंग्रेजों द्वारा भारत छोड़ने के साथ ही वह संकल्प पूरा हुआ था। इसी प्रकार 9 अगस्त 1917 को लिया गया हमारा संकल्प भी पांच साल बाद 2022 में पूरा होगा और हम गांधी जी के सपनों का भारत बनाने में सफल होंगे।

इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव डी0 एस0 ढेसी, पुलिस महानिदेशक बी0 एस0 संधू, अतिरिक्त मुख्य सचिव पी0 राघवेन्द्र राव, अतिरिक्त मुख्य सचिव केशनी आनन्द अरोड़ा, सूचना, जन सम्पर्क व भाषा विभाग के निदेशक टी0 एल0 सत्यप्रकाश, राज्यपाल के सचिव डाॅ0 अमित कुमार अग्रवाल तथा अनेक अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।